

315  
316  
317  
318  
319  
320  
321  
322  
323  
324  
325  
326  
327  
328  
329  
330  
331  
332  
333  
334  
335  
336  
337  
338  
339  
340  
341  
342  
343  
344  
345  
346  
347  
348  
349  
350  
351  
352  
353  
354  
355  
356  
357  
358  
359  
360  
361  
362  
363  
364  
365  
366  
367  
368  
369  
370  
371  
372  
373  
374  
375  
376  
377  
378  
379  
380  
381  
382  
383  
384  
385  
386  
387  
388  
389  
390  
391  
392  
393  
394  
395  
396  
397  
398  
399  
400

# साइबर सिक्यूरिटी जनजागृति अभियान सफल

सोलापुर, सं. पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर सोलापुर विश्वविद्यालय के कम्प्युटर विभाग तथा पुणे के 'क्विक हिल फाउंडेशन' के संयुक्त तत्वावधान में सोलापुर शहर और जिले के स्कूल और कनिष्ठ महाविद्यालयों के छात्रों को साइबर सिक्यूरिटी के संदर्भ में जनजागृति अभियान चलाया गया. इस अभियान में विश्वविद्यालय की ओर से 30 हजार 324 छात्रों को यह प्रशिक्षण दिया गया.



**1** क्विक हिल फाउंडेशन और पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर सोलापुर विश्वविद्यालय में सॉफ्टवेयर निर्मिती के संदर्भ में सामंजस्य करार हुआ है. इस करार के माध्यम से प्रतिवर्ष सामाजिक दायित्व निभाने की दृष्टि से सोलापुर शहर और जिले की 78 शालाओं में 161 सेमीनार के माध्यम से साइबर जनजागृति अभियान चलाया गया. इसमें इंटरनेट का इस्तेमाल करते हुए विभिन्न प्रोग्राम या गेम तथा मोबाइल पर विभिन्न एप डाऊनलोड करते समय किस तरह से सावधानी बरतनी चाहिए इस संदर्भ में जानकारी दी गई. इस जानजागृति अभियान के दौरान क्विक हिल फाउंडेशन की ओर से 22 छात्रों को 1 लाख 81 हजार 300 रुपयों की छात्रवृत्ति भी दी गई.

**30**  
हजार छात्रों  
को दी गई  
जानकारी

**2** छात्रवृत्ति वितरण समारोह को कुलसचिव डॉ. विकास घुटे प्रमुख अतिथि के तौर पर उपस्थित थे. संगणकशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. आर. एस. मेंते ने प्रस्तावना तथा अतिथियों का स्वागत किया. समारोह में कुलगुरु डॉ. मृणालिनी फडणवीस ने कहा कि, आज बड़ी संख्या में कम्प्युटरों का इस्तेमाल हो रहा है. लेकिन इसका इस्तेमाल होते समय उचित सावधानी और सुरक्षा बरतना भी काफी अहम हो गया है. इस संदर्भ में अगर छात्र जीवन में ही सूचना मिलें तो आने वाले समय में इस दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा. सूत्रसंचालन अरुंधती मालगे एवं ऐश्वर्या केत ने किया. प्रा. ए. आर. शिंदे ने आभार प्रकट किए.